भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 791
05 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का वित्तीय और परिचालनात्मक प्रदर्शन

791 श्री नारायणसा के. भांडगेः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चालू वित्त वर्ष के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) और मेकॉन जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रमों का उत्पादन, बिक्री और लाभ संकेतकों सहित वित्तीय और परिचालनात्मक प्रदर्शन कैसा रहा;

(ख) इन कंपनियों ने, नए विनिर्माताओं या आपूर्तिकर्ताओं को खरीद में उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए निविदाओं में भाग लेने की अनुमति देते हुए, खरीद बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(ग) खरीद के लिए कुछ कंपनियों पर निर्भरता कम करने और आवंटन में पारदर्शिता लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) डिजिटल और मानव संसाधन परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए कौन-सी नई पहल शुरू की गई हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-सितंबर, 2025) की अवधि के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) और मेकॉन लिमिटेड (मेकॉन) के वित्तीय और प्रचालन संबंधी कार्य-निष्पादन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

वित्तीय कार्य-निष्पादन

क्र.सं.	**सीपीएसई का नाम**	**कारोबार (करोड़ में)**	**कर पश्चात लाभ (पीएटी) (करोड़ में)**
1.	सेल	52,254	1,112
2.	एनएमडीसी	12,895	3,663
3.	मेकॉन	482	(76.21)

जारी...2/-

प्रचालन संबंधी कार्य-निष्पादन

क्र.सं.	**सीपीएसई का नाम**	**उत्पादन (मिलियन टन में)**	**बिक्री (मिलियन टन में)**
1.	सेल	9.503 (क्रूड इस्पात)	9.462 (क्रूड इस्पात)
2.	एनएमडीसी	22.2 (लौह अयस्क)	22.2 (लौह अयस्क)
3.	मेकॉन	*	*

*मेकॉन मुख्य रूप से इस्पात और खनन क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग, परामर्श और संविदा संबंधी सेवाएं प्रदान करता है।

(ख) ये कंपनियाँ अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं की अधिप्राप्ति गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जैम) के माध्यम से करती हैं। इसके अतिरिक्त, अधिकतम सीमा तक खुली निविदाएँ अपनाई जाती हैं, स्पष्टता के लिए बोली-पूर्व बैठकें आयोजित की जाती हैं, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसईएस) और स्टार्ट-अप्स को वित्तीय-पात्रता में छूट प्रदान की जाती है और पारदर्शी एवं उचित मूल्य निर्धारण की सुविधा के लिए यथासंभव रिवर्स नीलामी का उपयोग किया जाता है।

(ग) ये कंपनियाँ स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक संरचित परीक्षण और कार्य-निष्पादन मूल्यांकन प्रक्रिया, वेंडर-विकास कार्यक्रमों के माध्यम से और अधिप्राप्ति संबंधी योजनाओं को प्रकाशित करके अपने वेंडर बेस का विस्तार करती हैं । सार्वजनिक रूप से प्रकट की गई अधिप्राप्ति नीतियों, शिकायत निवारण तंत्र, हितों के संघर्ष की घोषणाएं और आवधिक आंतरिक एवं सरकारी लेखा-परीक्षा के माध्यम से पारदर्शिता को अधिक मज़बूत किया जाता है।

(घ) कंपनियों ने प्रमुख डिजिटल और मानव संसाधन परिवर्तन पहलें शुरू की हैं जो निम्नानुसार हैं:-

(i) सेल ने एक एंड-टू-एंड डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम, परिवर्तनम, शुरू किया है जिसका उद्देश्य उत्पादकता और विश्लेषण-आधारित प्रचालनों के माध्यम से उत्पादन, ऊर्जा दक्षता, उत्पाद गुणवत्ता में सुधार लाना है, साथ ही भविष्य के लिए तैयार, डेटा-संचालित संगठन बनाने हेतु प्रौद्योगिकी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना है। इसकी मानव-संसाधन पहल सेल दर्पण, उन्नत उत्तराधिकार नियोजन, निरंतर कार्य-निष्पादन प्रबंधन, बेहतर जनशक्ति नियोजन, तीव्र भर्ती, क्षमता निर्माण और कल्चरल ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से मानव-संसाधन नीतियों और प्रणालियों के आधुनिकीकरण पर केंद्रित है।

जारी...3/-

(ii) एनएमडीसी ने 100% ई-अधिप्राप्ति, कागज रहित लाइफ साइकल मेनेजमेंट सिस्टम, वेंडर इनबॉक्स मैनेजमेंट, एसएपी ईआरपी, डिजिटल फ्लीट मैनेजमेंट, ड्रिल-एंड-ब्लास्ट ऑप्टिमाइजेशन टूल्स, रियल टाइम स्टॉकपाइल मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट डैशबोर्ड के माध्यम से डिजिटलीकरण को उन्नत किया है, साथ ही एकीकृत लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, एक एकीकृत कमांड सेंटर और डिजिटल क्वार्टर-आवंटन और लीगल-ट्रैकिंग सिस्टम जैसी अन्य पहल संबंधी कार्य प्रगति पर है।

(iii) मेकॉन ने कई उपाय किए हैं, जिनमें प्रमुख मानव संसाधन नीतियों में संशोधन करना, आईगॉट कर्मयोगी डिजिटल-लर्निंग प्लेटफॉर्म अपनाना, ईआरपी और डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम लागू करना, ऑनलाइन कार्य-निष्पादन संबंधी प्रबंधन प्रणाली शुरू करना और वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए वेंडर निरीक्षण प्रबंधन प्रणाली जैसे डिजिटल उपकरणों को अपनाना शामिल है।

******